Journal of Advances in Developmental Research (IJAIDR)

E-ISSN: 0976-4844 ● Website: www.ijaidr.com ● Email: editor@ijaidr.com

अलवर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन में इको–टूरिज्म की भूमिका का अध्ययन

विनीता कल्याणसहाय मीना

सहायक आचार्य

आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंधन विभाग

गौरी देवी राजकीय महिला महाविद्यालय, अलवर (राजस्थान)

सार

इको–टूरिज्म पर्यटन का एक आधुनिक और सतत स्वरूप है, जिसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ स्थानीय समुदायों के आर्थिक और सामाजिक विकास को बढावा देना है। राजस्थान के । अलवर जिले में प्राकृतिक वन क्षेत्र, ऐतिहासिक किले, झीलें और वन्यजीव अभयारण्य मौजूद हैं, जो इको–टूरिज्म के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं। इस अध्ययन का उद्देश्य यह विश्लेषण करना है कि इको–टूरिज्म किस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, आय वृद्धि और स्थानीय आर्थिक विकास में योगदान देता है। अध्ययन के लिए प्राथमिक और द्वितीयक दोनों प्रकार के डेटा का उपयोग किया गया है। अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि इको–टूरिज्म गतिविधियों से ग्रामीण क्षेत्रों में गाइड, होटल, होम–स्टे, हस्तशिल्प, परिवहन और स्थानीय उत्पादों के माध्यम से रोजगार के अवसर बढते हैं।

मुख्य शब्द इको–टूरिज्म, ग्रामीण रोजगार, सतत विकास, पर्यटन, अलवर जिला

परिचय

पर्यटन उद्योग आज विश्व की सबसे तेजी से विकसित होने वाली आर्थिक गतिविधियों में से एक है। यह केवल मनोरंजन और अवकाश बिताने का साधन ही नहीं बल्कि आर्थिक विकास, सांस्कृतिक आदान–प्रदान और रोजगार सृजन का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी बन गया है। वर्तमान समय में कई देशों की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग का महत्वपूर्ण योगदान है। विशेष रूप से विकासशील देशों में पर्यटन उद्योग स्थानीय रोजगार, आय वृद्धि और क्षेत्रीय विकास को बढावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारत में भी पर्यटन उद्योग आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बन चुका है। भारत की प्राकृतिक विविधता, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक परंपराएँ और धार्मिक स्थल देश को विश्व पर्यटन मानचित्र पर विशेष स्थान प्रदान करते हैं। पर्यटन उद्योग से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों को रोजगार प्राप्त होता है।

इसी संदर्भ में इको–टूरिज्म की अवधारणा का विकास हुआ है। इको–टूरिज्म पर्यटन का वह स्वरूप है जिसमें प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हुए पर्यटन गतिविधियों को विकसित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय संस्कृति का संरक्षण तथा स्थानीय समुदायों के आर्थिक विकास को बढावा देना होता है। इको–टूरिज्म सतत विकास की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें पर्यटन गतिविधियाँ इस प्रकार संचालित की जाती हैं कि प्राकृतिक संसाधनों और जैव विविधता को कोई नुकसान न पहुँचे।

इको–टूरिज्म का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी होती है। जब किसी क्षेत्र में इको–टूरिज्म का विकास होता है तो स्थानीय लोगों को पर्यटन से जुडे विभिन्न कार्यों में रोजगार प्राप्त होता है। उदाहरण के लिए स्थानीय लोग प्रकृति मार्गदर्शक , होटल एवं होम–स्टे संचालक, परिवहन सेवा प्रदाता, हस्तशिल्प विक्रेता और स्थानीय उत्पादों के विक्रेता के रूप में कार्य कर सकते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए स्रोत उत्पन्न होते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है।

राजस्थान भारत का एक प्रमुख पर्यटन राज्य है, जहाँ प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक किले, महल और सांस्कृतिक विरासत पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। राजस्थान के विभिन्न जिलों में पर्यटन उद्योग स्थानीय आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

राजस्थान का अलवर जिला प्राकृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यह जिला अरावली पर्वतमाला की सुंदर पहाडियों, घने वनों, झीलों और ऐतिहासिक स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ स्थित सरिस्का टाइगर रिजर्व वन्यजीव संरक्षण और इको–टूरिज्म का एक प्रमुख केंद्र है, जहाँ देश–विदेश से पर्यटक वन्यजीवों और प्राकृतिक सौंदर्य को देखने आते हैं। इसके अतिरिक्त सिलीसेढ़ झील अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के कारण पर्यटन का महत्वपूर्ण स्थल है। इसी प्रकार बाला किला ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है।

इन पर्यटन स्थलों के कारण अलवर जिले के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों का विस्तार हुआ है। जब पर्यटक इन क्षेत्रों में आते हैं तो स्थानीय लोगों को विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। उदाहरण के लिए ग्रामीण युवा पर्यटन गाइड के रूप में कार्य कर सकते हैं, स्थानीय लोग होम–स्टे या छोटे होटल संचालित कर सकते हैं, महिलाएँ हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों की बिक्री कर सकती हैं तथा परिवहन सेवाओं के माध्यम से भी रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।

इको–टूरिज्म के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में न केवल रोजगार के अवसर बढते हैं बल्कि स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण भी होता है। पर्यटक स्थानीय संस्कृति, लोक कला और पारंपरिक जीवन शैली को जानने में रुचि रखते हैं, जिससे ग्रामीण समुदायों को अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।

हालाँकि इको–टूरिज्म के विकास में कुछ चुनौतियाँ भी मौजूद हैं, जैसे पर्यटन अवसंरचना की कमी, प्रशिक्षण की कमी, पर्यावरण संरक्षण से जुडी समस्याएँ और सीमित प्रचार–प्रसार। यदि इन समस्याओं का समाधान किया जाए और इको–टूरिज्म को योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जाए तो यह ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन और आर्थिक विकास का एक प्रभावी साधन बन सकता है।
अतः यह अध्ययन इस बात का विश्लेषण करने का प्रयास करता है कि अलवर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में इको–टूरिज्म किस प्रकार रोजगार सृजन और स्थानीय आर्थिक विकास में योगदान देता है तथा इसके विकास की संभावनाएँ और चुनौतियाँ क्या हैं।

साहित्य समीक्षा

शर्मा (2018)

शर्मा ने भारत में ग्रामीण पर्यटन के विकास का अध्ययन किया। अध्ययन में यह पाया गया कि ग्रामीण पर्यटन गतिविधियाँ स्थानीय स्तर पर आर्थिक विकास को बढावा देती हैं। पर्यटन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में होटल व्यवसाय, हस्तशिल्प उद्योग, परिवहन सेवाओं और स्थानीय उत्पादों की बिक्री में वृद्धि होती है। इससे ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर बढते हैं।

कुमार और सिंह (2020)

कुमार और सिंह ने इको–टूरिज्म और ग्रामीण विकास के संबंध का विश्लेषण किया। उनके अध्ययन के अनुसार इको–टूरिज्म ग्रामीण समुदायों की आर्थिक स्थिति को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्यटन गतिविधियों के कारण स्थानीय लोगों की आय बढती है तथा क्षेत्रीय विकास को गति मिलती है। अध्ययन में यह भी बताया गया कि इको–टूरिज्म के माध्यम से स्थानीय संसाधनों का संरक्षण और सतत विकास संभव है।

गुप्ता और अन्य (2021)

गुप्ता ने राजस्थान में पर्यटन उद्योग के आर्थिक प्रभावों का अध्ययन किया। उनके अनुसार पर्यटन उद्योग राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है और यह स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में योगदान देता है। विशेष रूप से

ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों के कारण हस्तशिल्प, लोक कला और स्थानीय उत्पादों के बाजार का विस्तार होता है। इससे ग्रामीण समुदायों की आय में वृद्धि होती है।

यादव .पी. (2022)
यादव ने अपने अध्ययन में बताया कि राजस्थान के विभिन्न जिलों में इको–टूरिज्म गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढावा मिला है। अध्ययन के अनुसार इको–टूरिज्म के कारण स्थानीय लोगों को गाइड, परिवहन सेवाएँ, होटल और हस्तशिल्प उद्योग में रोजगार प्राप्त होता है।

मीना (2023)
मीना ने पर्यटन और ग्रामीण रोजगार के संबंध का अध्ययन करते हुए पाया कि इको–टूरिज्म गतिविधियाँ ग्रामीण युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर प्रदान करती हैं। इसके साथ ही यह स्थानीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण में भी सहायक है।

अध्ययन के उद्देश्य
- ❖ अलवर जिले में इको–टूरिज्म की संभावनाओं का अध्ययन करना।
- ❖ ग्रामीण क्षेत्रों में इको–टूरिज्म के माध्यम से रोजगार सृजन का विश्लेषण करना।
- ❖ स्थानीय समुदायों की आय और जीवन स्तर पर इको–टूरिज्म के प्रभाव का अध्ययन करना।
- ❖ इको–टूरिज्म विकास में आने वाली समस्याओं और चुनौतियों की पहचान करना।
- ❖ ग्रामीण रोजगार बढाने के लिए इको–टूरिज्म को प्रोत्साहित करने के उपाय सुझाना।

शोध प्रविधि
इस शोध में अलवर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन में इको–टूरिज्म की भूमिका का अध्ययन करने के लिए वर्णनात्मक तथा विश्लेषणात्मक शोध पद्धति का उपयोग किया गया है। अध्ययन का उद्देश्य यह समझना है कि इको–टूरिज्म गतिविधियाँ स्थानीय ग्रामीण समुदायों के लिए किस प्रकार रोजगार और आय के अवसर उत्पन्न करती हैं। इस शोध में प्राथमिक तथा द्वितीयक दोनों प्रकार के आँकडों का उपयोग किया गया है।

प्राथमिक आँकडे ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों, स्थानीय पर्यटन व्यवसायियों, पर्यटन गाइडों, होटल एवं होम–स्टे संचालकों तथा हस्तशिल्प विक्रेताओं से प्रश्नावली और साक्षात्कार के माध्यम से एकत्रित किए गए। अध्ययन के लिए उत्तरदाताओं का चयन सरल यादृच्छिक नमूना पद्धति के आधार पर किया गया। इस प्रक्रिया से विभिन्न वर्गों के लोगों की राय और अनुभव प्राप्त किए गए ताकि इको–टूरिज्म के वास्तविक प्रभाव का विश्लेषण किया जा सके।
द्वितीयक आँकडे विभिन्न पुस्तकों, शोध पत्रों, सरकारी रिपोर्टों, पर्यटन विभाग की प्रकाशनों तथा इंटरनेट स्रोतों से एकत्रित किए गए। इन स्रोतों से इको–टूरिज्म की अवधारणा, पर्यटन उद्योग की स्थिति तथा ग्रामीण विकास में पर्यटन की भूमिका से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई।

संग्रहित आँकडों का विश्लेषण सांख्यिकीय विधियों जैसे प्रतिशत विश्लेषण, तालिका और आरेख के माध्यम से किया गया। इन विधियों की सहायता से यह समझने का प्रयास किया गया कि इको–टूरिज्म गतिविधियों के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में किस प्रकार वृद्धि हुई है तथा इसका स्थानीय अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पडा है। इस प्रकार शोध प्रविधि के माध्यम से अध्ययन को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया गया है।

आँकडों का विश्लेषण

ईको टूरिज्म से होने वाले रोजगार के अवसर

क्रमांक	रोजगार के अवसर	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	पर्यटन गाइड	20	20 प्रतिशत
2.	होटल	25	25 प्रतिशत
3.	परिवहन सेवाएं	15	15 प्रतिशत
4.	हस्तशिल्प एवं स्थानीय उत्पाद बिक्री	18	18 प्रतिशत
5.	स्थानीय भोजन	12	12 प्रतिशत
6.	अन्य	10	10 प्रतिशत
	कुल	100	100 प्रतिशत

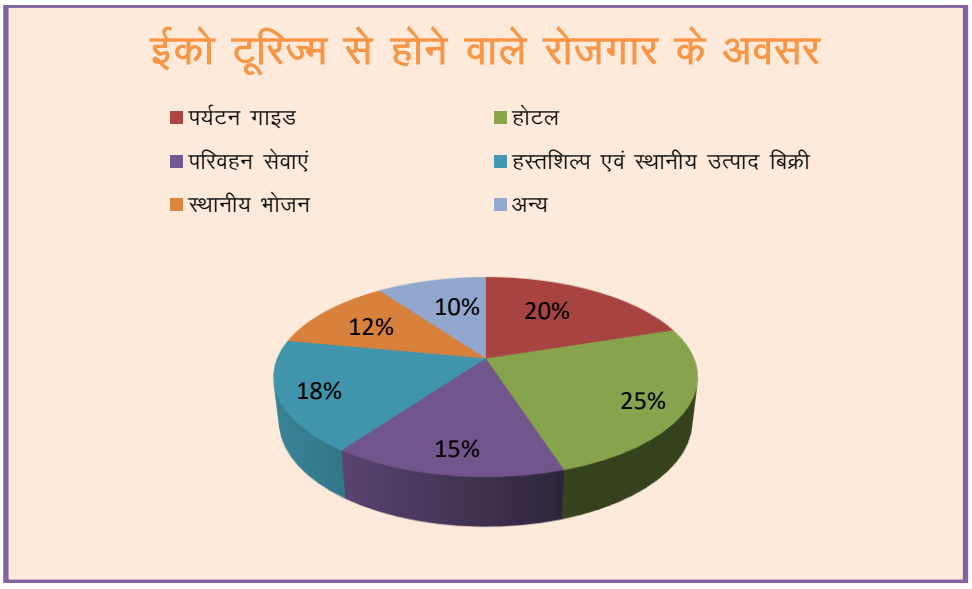

विश्लेषण

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि इको–टूरिज्म गतिविधियों के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसर उत्पन्न हुए हैं। अध्ययन के अनुसार 25 प्रतिशत उत्तरदाता होटल और होम–स्टे व्यवसाय से जुडे हुए हैं, जो रोजगार का सबसे बडा स्रोत है। इसके बाद 20 प्रतिशत लोग पर्यटन गाइड के रूप में कार्य कर रहे हैं।

इसी प्रकार 18 प्रतिशत लोग हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों की बिक्री से जुडे हैं, जबकि 15 प्रतिशत लोग परिवहन सेवाओं के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त 12 प्रतिशत उत्तरदाता स्थानीय भोजन और छोटी दुकानों के माध्यम से आय अर्जित कर रहे हैं। यह परिणाम दर्शाता है कि इको–टूरिज्म ग्रामीण क्षेत्रों में विविध प्रकार के रोजगार के अवसर उत्पन्न करता है और स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि करता है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि अलवर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में इको–टूरिज्म रोजगार सृजन और आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभर रहा है। इको–टूरिज्म गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय लोगों को विभिन्न प्रकार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। विशेष रूप से पर्यटन गाइड, होटल और होम–स्टे व्यवसाय, परिवहन सेवाएँ, हस्तशिल्प बिक्री तथा स्थानीय भोजन और उत्पादों के माध्यम से ग्रामीण समुदाय की आय में वृद्धि हो रही है।

अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है कि अलवर जिले में स्थित प्रमुख पर्यटन स्थल जैसे सरिस्का टाइगर रिजर्व , सिलीसेढ़ झील तथा बाला किला इको–टूरिज्म के विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं। इन स्थलों पर आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होने से स्थानीय ग्रामीणों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं।

इसके अतिरिक्त इको–टूरिज्म स्थानीय संस्कृति, परंपराओं और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब पर्यटन गतिविधियाँ पर्यावरण के अनुकूल तरीके से संचालित की जाती हैं तो इससे प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा होती है और स्थानीय समुदायों को सतत विकास के लिए प्रेरणा मिलती है।

हालाँकि अध्ययन से यह भी पता चलता है कि इको–टूरिज्म के विकास में कुछ चुनौतियाँ मौजूद हैं, जैसे पर्यटन अवसंरचना की कमी, प्रशिक्षण और कौशल विकास की कमी, सीमित प्रचार–प्रसार तथा ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सुविधाओं की कमी। यदि इन समस्याओं का समाधान किया जाए और सरकार, पर्यटन विभाग तथा स्थानीय समुदाय मिलकर योजनाबद्ध तरीके से इको–टूरिज्म को बढावा दें तो यह ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन और आर्थिक विकास का एक अत्यंत प्रभावी साधन बन सकता है।

अतः यह कहा जा सकता है कि इको–टूरिज्म न केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम है बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और स्थानीय लोगों के जीवन स्तर को सुधारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उचित नीतियों और योजनाओं के माध्यम से इको–टूरिज्म को प्रोत्साहित करके अलवर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को और अधिक बढाया जा सकता है।

संदर्भ

1. डंतजीं भ्वदमल ;2008द्धण म्बवजवनतपेउ ंदक ैनेजंपदंइसम क्मअमसवचउमदजरू ैव्व ूे च्तंकपेमध् ैपदहजवद क्ब्रू प्ेसंदक च्तमेण
2. जीम प्दजमतदंजपवदंस म्बवजवनतपेउ ैवबपमजल ;2015द्धण ॅींज पे म्बवजवनतपेउघ् ज्प्म्ै च्नइसपबंजपवदण
3. ैींतउंए ।ण ;2018द्धण त्नतंस ज्वनतपेउ क्मअमसवचउमदज पद प्दकपंण प्दजमतदंजपवदंस श्रवनतदंस व ि ज्वनतपेउ त्मेमंतबीए 10;2द्धए 45दृ52ण
4. ज्ञनउंतए त्ण् – ैपदहीए च्ण ;2020द्धण त्वसम व ि म्बवजवनतपेउ पद त्नतंस क्मअमसवचउमदजण श्रवनतदंस व ि ज्वनतपेउ ंदक भ्वेचपजंसपजलए 8;3द्धए 120दृ128ण
5. ठनचजंए ैण ;2021द्धण ज्वनतपेउ प्दकनेजतल ंदक म्बवदवउपब क्मअमसवचउमदज पद त्ंरेंजींदण प्दकपंद श्रवनतदंस व ि ज्वनतपेउ ैजनकपमेए 15;1द्धए 35दृ42ण
6. ल्ंकंअए डण ;2022द्धण म्बवजवनतपेउ ंदक ैनेजंपदंइसम क्मअमसवचउमदज पद त्ंरेंजींदण श्रवनतदंस व ि त्नतंस क्मअमसवचउमदजए 41;2द्धए 210दृ218ण
7. डममदंए त्ण ;2023द्धण ज्वनतपेउ ंदक म्उचसवलउमदज ळमदमतंजपवद पद त्नतंस ।तमेंण प्दजमतदंजपवदंस श्रवनतदंस व ि ैवबपंस ैबपमदबमेए 12;1द्धए 75दृ82ण
8. डपदपेजतल व ि ज्वनतपेउ ;2022द्धण प्दकपं ज्वनतपेउ ैजंजपेजपबेण ळवअमतदउमदज व ि प्दकपंण
9. ळवअमतदउमदज व ि त्ंरेंजींद ;2023द्धण त्ंरेंजींद ज्वनतपेउ च्वसपबलण श्रंपचनतण
10. ॅवतसक ज्वनतपेउ व्तहंदप्रंजपवद ;2019द्धण ैनेजंपदंइसम ज्वनतपेउ क्मअमसवचउमदज त्मचवतजण डंकतपकण
11. ैींतउंए टण ;2017द्धण प्उचंबज व ि ज्वनतपेउ वद त्नतंस म्बवदवउलण प्दकपंद म्बवदवउपब त्मअपमूए 52;1द्धए 67दृ75ण

12. ैपदहीए ज्ञण ;2019द्ध ण म्बवजवनतपेउ ंदक म्दअपतवदउमदजंस ब्वदेमतअंजपवद ण श्रवनतदंस व िम्दअपतवदउमदजंस ैजनकपमेए 14;2द्ध ए 89दृ97ण
13. च्ंजमसए त्ण ;2020द्ध ण ज्वनतपेउ ंदक म्उचसवलउमदज ळमदमतंजपवद पद प्दकपंण प्दजमतदंजपवदंस श्रवनतदंस व िम्बवदवउपब ैजनकपमेए 9;3द्ध ए 102दृ110ण
14. टमतउंए ैण ;2021द्ध ण ैनेजंपदंइसम ज्वनतपेउ ंदक त्नतंस क्मअमसवचउमदजण ेपंद श्रवनतदंस व िज्वनतपेउ त्मेमंतबीए 6;2द्ध ए 150दृ158ण